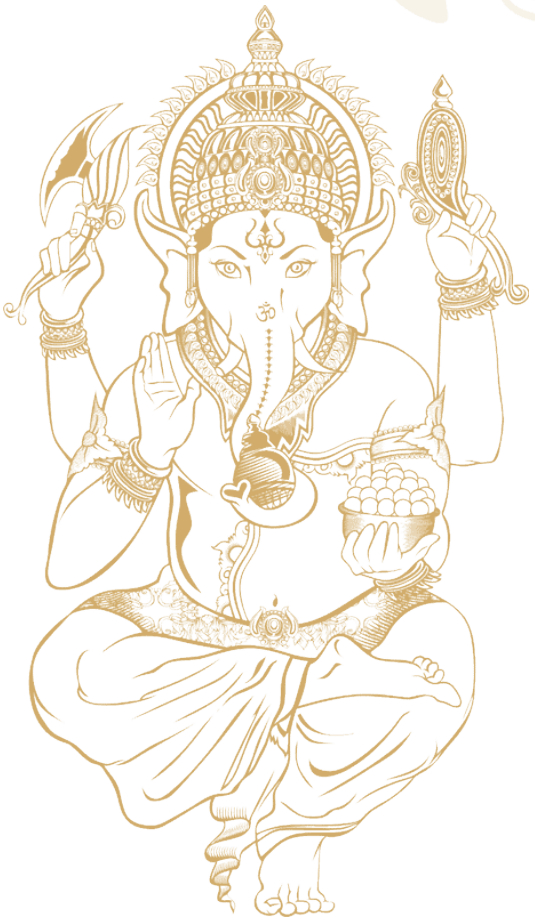

S

01 Mar 1988

05:40 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121814102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/03/1988**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**17:40:00 घंटे**
इष्ट	28:18:27 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:43:32 घंटे
वेलान्तर	-00:12:22 घंटे
साम्पातिक काल	04:21:35 घंटे
सूर्योदय	06:20:37 घंटे
सूर्यास्त	17:57:21 घंटे
दिनमान	11:36:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:26:26 कुम्भ
लग्न के अंश	14:23:24 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	अतिगण्ड
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	14:23:24	319:12:22	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	17:26:26	01:00:11	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	24:01:44	11:48:35	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	स्वराशि
मंगल			धनु	11:45:11	00:40:28	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	मित्र राशि
बुध			मक	21:15:22	00:37:18	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			मेष	04:51:06	00:11:56	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			मेष	00:44:21	01:08:19	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
शनि			धनु	07:31:59	00:03:49	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	29:23:38	00:01:51	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	29:23:38	00:01:51	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	06:50:54	00:01:45	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप			धनु	16:02:32	00:01:19	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो	व		तुला	18:49:02	00:00:33	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	13:31:16	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:33

लग्न-चलित

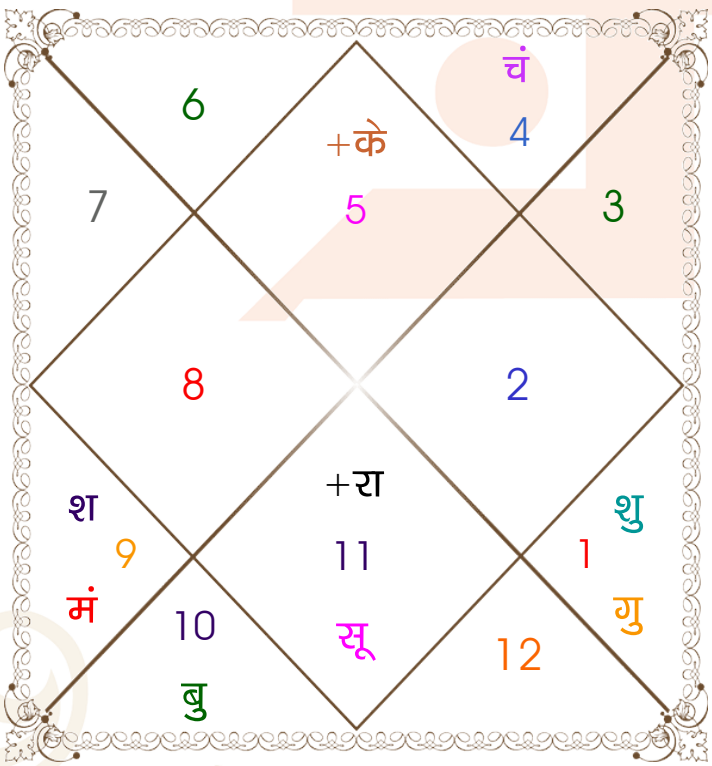

चन्द्र कुंडली

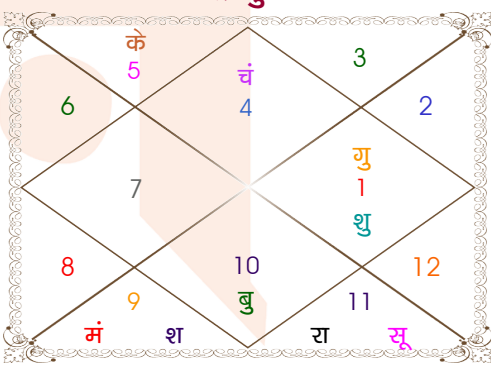

नवमांश कुंडली

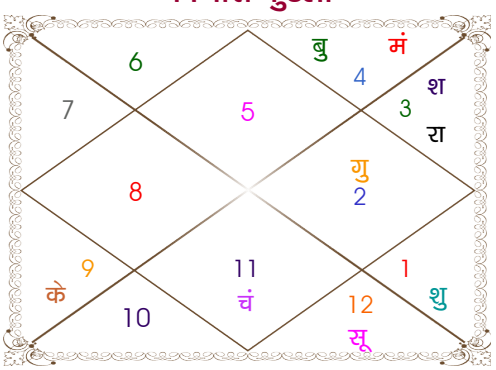

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 7 वर्ष 7 मास 10 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/03/1988		12/10/1995		12/10/2002		12/10/2022		11/10/2028	
12/10/1995		12/10/2002		12/10/2022		11/10/2028		12/10/2038	
	00/00/0000	केतु	09/03/1996	शुक्र	10/02/2006	सूर्य	29/01/2023	चंद्र	12/08/2029
	00/00/0000	शुक्र	09/05/1997	सूर्य	10/02/2007	चंद्र	31/07/2023	मंगल	13/03/2030
	00/00/0000	सूर्य	14/09/1997	चंद्र	11/10/2008	मंगल	06/12/2023	राहु	11/09/2031
	00/00/0000	चंद्र	15/04/1998	मंगल	11/12/2009	राहु	29/10/2024	गुरु	10/01/2033
	01/03/1988	मंगल	11/09/1998	राहु	11/12/2012	गुरु	18/08/2025	शनि	12/08/2034
मंगल	08/04/1988	राहु	30/09/1999	गुरु	12/08/2015	शनि	31/07/2026	बुध	11/01/2036
राहु	27/10/1990	गुरु	05/09/2000	शनि	12/10/2018	बुध	06/06/2027	केतु	11/08/2036
गुरु	01/02/1993	शनि	14/10/2001	बुध	12/08/2021	केतु	12/10/2027	शुक्र	12/04/2038
शनि	12/10/1995	बुध	12/10/2002	केतु	12/10/2022	शुक्र	11/10/2028	सूर्य	12/10/2038

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
12/10/2038		11/10/2045		12/10/2063		12/10/2079		12/10/2098	
11/10/2045		12/10/2063		12/10/2079		12/10/2098		00/00/0000	
मंगल	10/03/2039	राहु	24/06/2048	गुरु	29/11/2065	शनि	15/10/2082	बुध	10/03/2101
राहु	27/03/2040	गुरु	17/11/2050	शनि	11/06/2068	बुध	24/06/2085	केतु	07/03/2102
गुरु	03/03/2041	शनि	23/09/2053	बुध	17/09/2070	केतु	03/08/2086	शुक्र	05/01/2105
शनि	12/04/2042	बुध	12/04/2056	केतु	24/08/2071	शुक्र	02/10/2089	सूर्य	12/11/2105
बुध	09/04/2043	केतु	30/04/2057	शुक्र	24/04/2074	सूर्य	14/09/2090	चंद्र	13/04/2107
केतु	05/09/2043	शुक्र	30/04/2060	सूर्य	10/02/2075	चंद्र	15/04/2092	मंगल	02/03/2108
शुक्र	04/11/2044	सूर्य	25/03/2061	चंद्र	11/06/2076	मंगल	24/05/2093		00/00/0000
सूर्य	12/03/2045	चंद्र	23/09/2062	मंगल	18/05/2077	राहु	30/03/2096		00/00/0000
चंद्र	11/10/2045	मंगल	12/10/2063	राहु	12/10/2079	गुरु	12/10/2098		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 7 वर्ष 7 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको ह्रदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।